Asthal Bohar, Rohtak-124021
NH-10, NCR, Haryana (India)

BMU IN NEWS
BABA MASTNATH UNIVERSITY

20 August, 2022
Saturday
Page No.1

दैनिक ट्रिब्यून

अक्षरधाम की तरह रोहतक स्थित मस्तनाथ मठ में बन रहा है भव्य मंदिर

अध्यात्म और आयुर्वेद का संगम, 5 हजार महापुरुषों के दर्शन

अनिल शर्मा/निस
रोहतक, 19 अगस्त

इस मंदिर में पांच हजार महापुरुषों के 'दर्शन' होंगे। अध्यात्म, योग और आयुर्वेद का संगम होगा। कई खूबियों वाला यह मंदिर अब निर्माण के अंतिम चरण में है। नाथ संप्रदाय के सबसे बडे तपोस्थल बाबा मस्तनाथ मठ पर अक्षरधाम की तर्ज पर बन रहा मंदिर धीरे-धीरे अपने भव्य स्वरूप में दिखने लगा है। मंदिर में 3100 कलाकृतियां होगी और छोटे-बड़े 45 गुंबद। सबसे बड़ा गुंबद मंदिर की ऊंचाई 108 फुट पर स्थापित होगा। मंदिर में पांच हजार महापुरुषों के चित्र भी लगाए जाएंगे। इनमें विभिन्न धर्मों, सामाजिक क्षेत्र, स्वतंत्रता सेनानी व अन्य प्रमुखों के चित्र होंगे। मंदिर

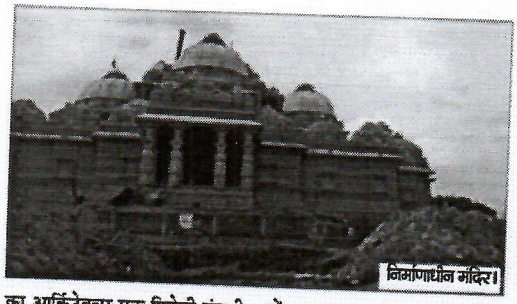
निर्माणाधीन मंदिर।

का आर्किटेक्चर एक विदेशी कंपनी ने तैयार किया था। उस वक्त लागत करीब 250 करोड़ रुपये आंकी गई थी, लेकिन अब इसमें तीस फीसदी से ज्यादा का इजाफा होने की संभावना है। सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ समाधि मंदिर के महंत बाबा चांदनाथ योगी ने मठ की अलग पहचान के लिए 2010 में अक्षरधाम की तर्ज पर मंदिर बनने का खाका तैयार किया। 16 मई, 2010 को मंदिर का शिलान्यास किया गया। अब निर्माण कार्य अंतिम चरण में चल रहा है। माना जा रहा है कि अगले साल तक मंदिर तैयार हो जाएगा। दिल्ली के अक्षरधाम की तर्ज पर बाबा मस्तनाथ मठ में बीस एकड़ में मंदिर बनाया जा रहा है। मंदिर की लंबाई 350 फुट और चौड़ाई 250 फुट होगी। नाथ संप्रदाय के 9 नाथ तथा 84 सिद्धों की प्रतिमाएं भी लगाई जाएंगी। मंदिर में प्रदर्शनी, लेजर-शो, नौका विहार, और मूवी शो थियेटर बनाया जाएगा, जिसमें बाबा मस्तनाथ की जीवनी को दिखाया जाएगा। मंदिर निर्माण का कार्य अक्षरधाम मंदिर के वास्तुकार सीबी सोमपुरा के निगरानी में चल रहा है। मंदिर में विश्व स्तरीय लाइब्रेरी का भी निर्माण किया जा रहा है।

एक भी सरिये का इस्तेमाल नहीं

अक्षर धाम की तर्ज पर बन रहे मंदिर में सरिये का इस्तेमाल नहीं किया गया है। मंदिर निर्माण के लिए राजस्थान के पहाड़ीपुर, बांसी बयाना से पत्थर मंगाए गए हैं। करीब अस्सी फीसदी काम हो चुका है। निर्माण में इस वक्त पचास से अधिक शिल्पकार लगे हुए हैं।

इसी साल बन जाएगा समाधि स्थल : बालक नाथ

बाबा मस्तनाथ मठ के गद्दीनशीन महंत श्री बाबा बालक नाथ का कहना है कि मंदिर के समाधि स्थल का कार्य तो इस वर्ष तक हो जाएगा। मंदिर के चारों ओर निर्माण कार्य चलता रहेगा। निर्माण कार्य जल्दी पूरा हो, इसके लिए दिन-रात काम चल रहा है।

ne.com